अंक 13

वर्ष 2023

टी.ई.सी.

संचारिका

वार्षिक गृह पत्रिका

आई.एस.ओ. 9001:2015

भारत सरकार
दूरसंचार विभाग
दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र
खुर्शीद लाल भवन

हिंदी पखवाड़ा 2023

शुभारंभ

संदेश

प्रिय पाठकों,

यह खुशी एवं गर्व की बात है कि हमारे कार्यालय की हिंदी की वार्षिक गृह पत्रिका "टी.ई.सी. संचारिका" के नवीन अंक का प्रकाशन होने जा रहा है । यह इस बात का संकेत है कि तमाम तकनीकी कार्यों के साथ-साथ यह कार्यालय भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रति भी उतना ही जागरूक है । कार्यालय के कार्मिकों की जिस प्रकार से हिंदी लेखन में रुचि बढ़ रही है वह निस्संदेह प्रशंसनीय है ।

भाषा राष्ट्र की आत्मा होती है । किसी देश की संस्कृति उसकी भाषा से पहचानी जाती है । भाषा के माध्यम से सांस्कृतिक मूल्यों और परम्पराओं का उत्थान संभव है। हम सब का संवैधानिक कर्तव्य है कि सरकार की राजभाषा नीति के अंतर्गत अपने दैनिक कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग करते हुए निरंतर इसका प्रचार -प्रसार करें ।

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में गृह पत्रिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है और इंटरनेट के इस युग में भी इनकी प्रासंगिकता कतई कम नहीं हुई है । इस पत्रिका के प्रकाशन का उद्देश्य अधिकारियों व कर्मचारियों की रचनात्मक प्रतिभा को उजागर करना एवं राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है । मैं सभी रचनाकारों को बधाई देती हूँ ।

मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका पाठकों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सिद्द होगी तथा इस अंक पर भी आप पूर्व की तरह अपने बहुमूल्य सुझावों से हमें अवश्य अवगत कराएंगे ।

तृप्ति सक्सेना

(तृप्ति सक्सेना)
कार्यालय प्रमुख एवं वरिष्ठ उप महानिदेशक
दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र

संपादकीय

प्रिय साथियों,

"टी.ई.सी. संचारिका" का तेरहवां अंक अपने प्रबुद्ध पाठकों को सौंपते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता एवं गर्व की अनुभूति हो रही है ।

भारत एक बहुभाषी देश है । अपनी क्षेत्रीय/प्रांतीय भाषाओं का विकास करना भी हमारा दायित्व है । सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करते हुए हमें संघ की राजभाषा हिंदी के प्रयोग में भी निरंतर वृद्दि लानी है । हिंदी भाषा की संप्रेषणीयता और सांस्कृतिक विरासत ऐसे गुण हैं जो भाषा को महिमामंडित करते हैं । हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे पास हिंदी भाषा का समृद्द साहित्य है तथा पिछले कुछ दशकों से साहित्य की अन्य विधाओं के साथ-साथ विज्ञान एवं तकनीक से जुड़े विषयों पर भी हिंदी में लेखन कार्य हो रहा है । यह बहुत आवश्यक भी है क्योंकि तकनीक एवं विज्ञान का लाभ अंतत: सामान्य जन तक पहुंचाना है ।

दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र एक तकनीकी कार्यालय है, इसके बावजूद कार्यालय में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग बढ़ाने की दिशा में समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं और कार्यालय की गृह पत्रिका "टी.ई.सी. संचारिका" इसकी सबसे बड़ी मिशाल है । इस पत्रिका में विभिन्न विषयों पर रचनाओं का समावेश किया गया है। मैं सभी रचनाकारों, पत्रिका के प्रकाशन में संरक्षक एवं मार्गदर्शक और सहयोगीगणों को बधाई देता हूँ और सभी का आभार व्यक्त करता हूं जिनके सहयोग से पत्रिका का वर्तमान अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है ।

आशा है, यह अंक भी आपको पसंद आएगा तथा इस बारे में आपकी प्रतिक्रिया, विचारों और सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी ।

(शिव नारायण)
उप महानिदेशक (एन.जी.एन.)
दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र

हिंदी दिवस 2023

के अवसर पर

माननीय गृह मंत्री जी

का संदेश

राजभाषा विभाग

गृह मंत्रालय, भारत सरकार

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

प्रिय देशवासियो!

आप सब को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत भाषिक विविधता का देश रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम **'हिंदी'** है। हिंदी भाषा अपनी प्रवृत्ति से ही इतनी जनतांत्रिक रही है कि इसने भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ–साथ कई वैश्विक भाषाओं को यथोचित सम्मान देते हुए उनकी शब्दावलियों, पदों, वाक्य विन्यासों और वैयाकरणिक नियमों को आत्मसात किया है।

हिंदी भाषा ने स्वतंत्रता आन्दोलन के मुश्किल दिनों में देश को एकता के सूत्र में बाँधने का अभूतपूर्व कार्य किया। अनेक भाषाओं और बोलियों में बँटे देश में ऐक्य भावना से पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक स्वतंत्रता की लड़ाई को आगे बढ़ाने में संवाद भाषा हिंदी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इसीलिए, लोकमान्य तिलक हों, महात्मा गांधी हों, लाला लाजपत राय हों, नेताजी सुभाषचंद्र बोस हों, राजगोपालाचारी हों; हिंदी के शुरुआती पैरवीकारों में बहुसंख्यक उन प्रदेशों के लोग थे, जिनकी मातृभाषाएँ हिंदी नहीं थीं।

किसी भी देश की मौलिक सोच और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषा में ही की जा सकती है। प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने लिखा है कि, **"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति कौ मूल।"** यानि कि, अपनी भाषा की उन्नति ही सभी प्रकार की उन्नति का मूल है। राष्ट्र की पहचान इस बात से भी होती है कि उसने अपनी भाषा को किस सीमा तक मजबूत, व्यापक एवं समृद्ध बनाया है। यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी और लिपि के रूप में देवनागरी को अपनाया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय से वैश्विक मंचों तक यथोचित सम्मान मिला है। हमारी सभी भारतीय भाषाएँ और बोलियाँ हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं।

अपनी भाषा में सुनी हुई अवांछनीय बातें भी बहुत बुरी नहीं लगती। कवि **विद्यापति** की शब्दावली में कहूँ तो **'देसिल बयना सब जन मिट्ठा'** यानि देशी भाषा सभी जनों को मीठी लगती है। गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग निरंतर प्रयत्नशील है कि शहद सामान मीठी भारतीय भाषाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से अत्याधुनिक और वैज्ञानिक प्रयोग के अनुकूल उपयोगी बनाया जा सके।

सरकार और जनता के बीच भारतीय भाषाओं में संवाद स्थापित कर जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी तौर पर लागू किया जा सकता है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र जन–जन तक उनकी ही भाषा में उनके हित की बात पहुँचाकर आदर्श लोकतंत्र के निर्माण का सबसे अच्छा उदाहरण हो सकता है। राजभाषा विभाग ने इसी उद्देश्य से राजभाषा हिंदी के प्रयोग को सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से सहज बनाने की दिशा में काम करते हुए स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली **'कंठस्थ'** का निर्माण और विकास किया है। फिजी में संपन्न 'विश्व हिंदी सम्मेलन' में **'न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन'** के साथ इसके नए वर्जन (कंठस्थ 2.0) के मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण भी किया गया है।

राजभाषा विभाग की एक नई पहल **'हिंदी शब्द सिंधु'** शब्दकोश का निर्माण है। इस शब्दकोश में संविधान की 8वीं अनुसूची में अधिसूचित भारतीय भाषाओं के शब्दों को शामिल कर इसे निरंतर समृद्ध किया जा रहा है। साथ ही, विभाग ने **'लीला हिंदी प्रवाह'** मोबाइल ऐप भी तैयार किया है, जिसे अपनाकर विभिन्न भाषा–भाषी 14 भारतीय भाषाओं के माध्यम से अपनी–अपनी मातृभाषाओं से स्तरीय हिंदी निःशुल्क सीख सकते हैं।

भाषा परिवर्तन का सिद्धांत यह कहता है कि भाषा जटिलता से सरलता की ओर जाती है। मेरे विचार से हिंदी के सरल और सुस्पष्ट शब्दों को कार्यालयी कामकाज में प्रयोग में लाना चाहिए। टिप्पणी, पत्राचार, ई–मेल, विज्ञप्ति आदि के लिए आम बोलचाल के शब्दों व वाक्यों के प्रयोग से हिंदी के प्रयोग का चलन बढ़ेगा।

हमारे लिए हिंदी का प्रश्न सिर्फ एक भाषा का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान व सांस्कृतिक गौरव का विषय है। मुझे विश्वास है कि राजभाषा विभाग के उपरोक्त प्रयासों से सभी मातृभाषाओं को आत्मसात करते हुए लोकसम्मत भाषा हिंदी विज्ञानसम्मत व तकनीकसम्मत होकर संपन्न राजभाषा के रूप में स्थापित होगी।

पुनश्च, आप सब को हिंदी दिवस की अनंत शुभकामनाएं।

नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2023

(अमित शाह)

संरक्षक एवं मार्गदर्शक

तृप्ति सक्सेना

कार्यालय प्रमुख एवं वरिष्ठ उप महानिदेशक

उप संरक्षक

श्री पवन कुमार

उप महानिदेशक (प्रशासन)

संपादक

श्री शिव नारायण

उप महानिदेशक (एन.जी.एन.)

सह संपादक

श्री राजविंदर सिंह

निदेशक (एन.जी.एन.)

सहयोगीगण

श्री अमर दीप

श्री आकाश अग्रवाल

पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार रचनाकारों के निजी विचार हैं।

अनुक्रमणिका

क्रं. सं.	रचनाएँ	रचनाकार	पृष्ठ सं.
1	सरस्वती वंदना		10
2	क्वांटम प्रौद्योगिकी - एक परिचय	अभिनव सिंह	11
3	छुट्टियों में घर जाता हूँ	अमर दीप	21
4	मेरा गाँव शहर नहीं होना चाहिए	प्रवीण कुमार	22
5	पर्यावरण बचायें	राजेश कुमार मीना	23
6	खुशी की तलाश	आकाश	24
7	पुस्तकें	आकाश	24
8	हरी भरी धरती	प्रवेन्द्र बघेल	25
9	माफ करना सही	सुशांत सिंह	26
10	मोबाइल	नूपुर शर्मा	27
11	परोपकार	जितेंद्र कुमार मीना	28
12	सदा मुस्कराते रहो	राजकुमारी	29
13	यादों की बारिश	राजेश कुमार मीना	30
14	पुष्प के बदले शरण	ओम प्रकाश	31
15	जीवन परमात्मा का प्रसाद	भरत	33
16	आओं पेड़ लगाएं	अनसार	34
17	कंठस्थ 2.0		35
18	कार्यालयीन हिंदी के वाक्य		39
19	दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र, नई दिल्ली में हिंदी पखवाड़े का आयोजन		44

माँ सरस्वती की वंदना

हे हंस वाहिनी ज्ञान दायिनी
अम्ब विमल मति दे, अम्ब विमल
मति दे॥

जग सिरमौर बनाएं भारत
वह बल विक्रम दे
हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी
अम्ब विमल मति दे, अम्ब विमल
मति दे॥

साहस शील हृदय में भर दे
जीवन त्याग तपो मय कर दे
संयम सत्य स्नेह का वर दे
स्वाभिमान भर दे, स्वाभिमान भर दे।।

हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी
अम्ब विमल मति दे, अम्ब विमल
मति दे॥

लव, कुश, ध्रुव, प्रहलाद बनें हम
मानवता का त्रास हरें हम
सीता, सावित्री, दुर्गा मां
फिर घर-घर भर दे, फिर घर-घर भर
दे ॥

हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी
अम्ब विमल मति दे, अम्ब विमल
मति दे॥

क्वांटम प्रौद्योगिकी - एक परिचय

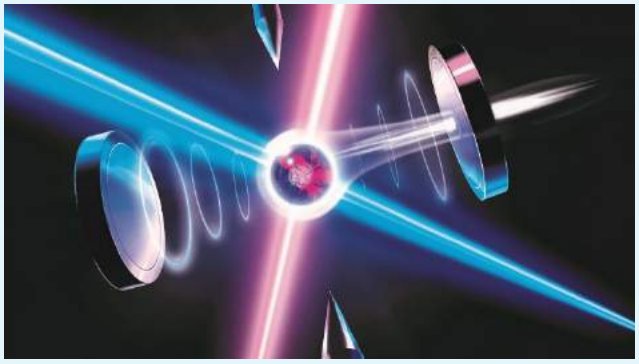

क्वांटम प्रौद्योगिकी, क्वांटम यांत्रिकी के सिद्धांतों पर आधारित है जिसे 20 वीं शताब्दी की शुरुआत में परमाणुओं और मूलभूत कणों के सूक्ष्म पैमाने पर प्रकृति का वर्णन करने के लिये विकसित किया गया था।

इस तकनीक के पहले चरण ने प्रकाश तथा पदार्थ की अंतःक्रिया सहित भौतिक जगत के बारे में हमारी समझ विकसित करने के लिये आधार प्रदान किया और लेज़र एवं अर्द्धचालक ट्रांजिस्टर जैसे आविष्कारों का मार्ग प्रशस्त किया।

वर्तमान समय में क्वांटम प्रौद्योगिकी की एक दूसरी क्रांति देखी जा रही है जिसका उद्देश्य कंप्यूटिंग के क्षेत्र में क्वांटम यांत्रिकी के सिद्धांतों का प्रयोग करना है।

पारंपरिक और क्वांटम कंप्यूटिंग के बीच क्या अंतर है :

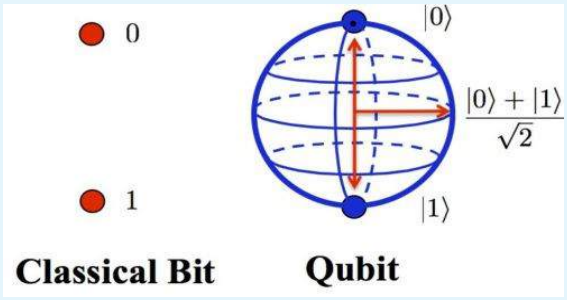

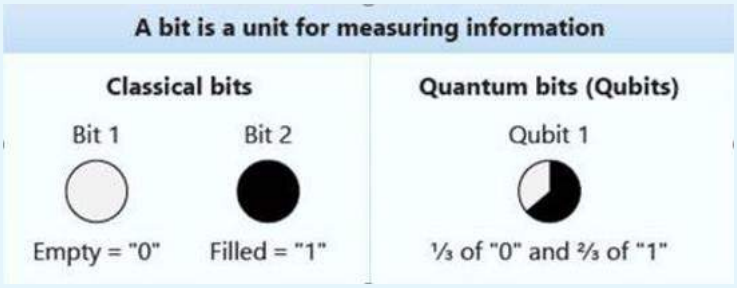

पारंपरिक कंप्यूटिंग में सूचनाओं की मूल इकाई 'बिट्स' या '1' और '0' है, यह प्रणाली पारंपरिक भौतिकी (Classical Physics) का अनुसरण करती है जिसके तहत हमारे कंप्यूटर सिस्टम एक समय में '1' या '0' को प्रोसेस कर सकते हैं।

क्वांटम कंप्यूटिंग 'क्यूबिट्स' (या क्वांटम बिट्स) में गणना करता है। वे क्वांटम यांत्रिकी के गुणों का अनुसरण करते हैं।

इसके तहत , प्रोसेसर में 1 और 0 दोनों अवस्थाएँ एक साथ हो सकती हैं, जिसे क्वांटम सुपरपोज़िशन की अवस्था कहा जाता है।

क्वांटम सुपरपोज़िशन में यदि एक क्वांटम कंप्यूटर योजनाबद्ध रूप से काम करता है तो यह एक साथ समानांतर रूप से कार्य कर रहे कई पारंपरिक कंप्यूटरों के समान कार्य कर सकता है।

क्वांटम कंप्यूटिंग के आधारभूत गुण:

क्वांटम कंप्यूटिंग के आधारभूत गुण सुपरपोज़िशन (Superposition), एंटैंगलमेंट (Entanglement) और इंटरफेरेंस (Interference) हैं।

अध्यारोपण/सुपरपोज़िशन (Superposition):

यह क्वांटम प्रणाली की मूल अवस्थाओं के साथ कई अवस्थाओं में होने की क्षमता को प्रदर्शित करता है।

उदाहरण के लिए यदि किसी एक सिक्के का उछाला जाना है, जो लगातार बाइनरी अवधारणा के तहत हेड्स या टेल्स रूप में भूमि पर गिरता है। हालाँकि, जब वह सिक्का मध्य हवा में होता है, तो यह हेड्स और टेल्स दोनों होता है (जब तक यह जमीन पर न गिर जाए)। माप से पहले इलेक्ट्रॉन क्वांटम सुपरपोज़िशन में होते हैं।

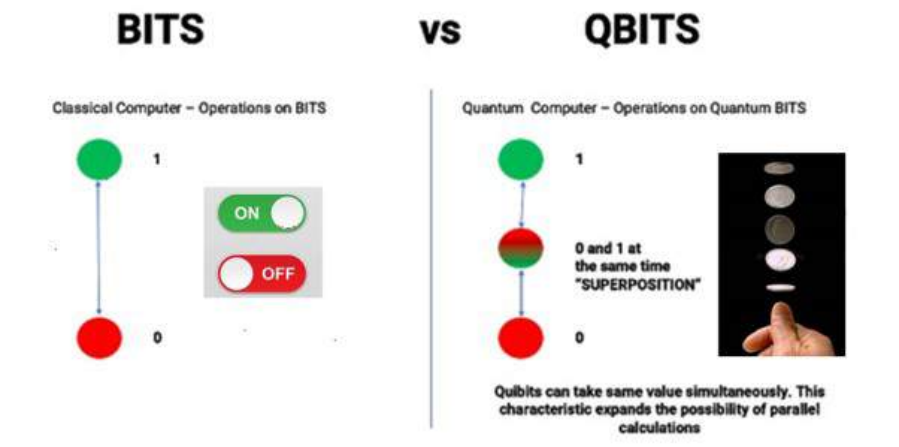

एंटैंगलमेंट (Entanglement):

एक जोड़ी (क्यूबिट्स) के दो सदस्य एकल क्वांटम अवस्था में मौजूद होते हैं। किसी एक क्यूबिट की स्थिति को बदलने से तुरंत दूसरे की स्थिति में भी परिवर्तन (एक पूर्वानुमानित तरीके से) हो जाता है। ऐसा तब भी होता है जब वे बहुत अधिक दूरी पर अलग-अलग रखे हों। महान वैज्ञानिक आइंस्टीन ने इस घटना को 'एक्शन एट ए डिस्टेंस' का नाम दिया था ।

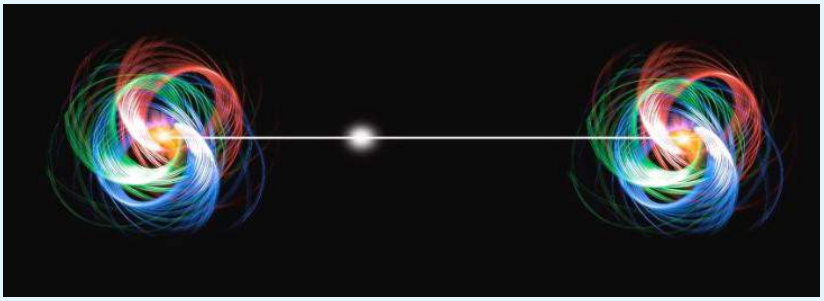

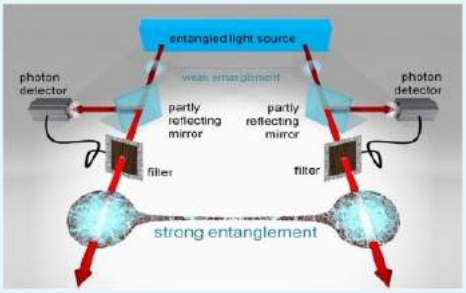

इंटरफेरेंस (Interference):

क्वांटम इंटरफेरेंस बताता है कि प्राथमिक कण (क्यूबिट्स) किसी भी समय (सुपरपोज़िशन के माध्यम से) एक से अधिक स्थानों पर उपस्थित नहीं हो सकते, लेकिन यह एक व्यक्तिगत कण, जैसे कि फोटॉन (प्रकाश कण) अपने स्वयं के प्रक्षेप वक्र को पार कर अपने मार्ग की दिशा से हस्तक्षेप कर सकता है।

क्वांटम कंप्यूटर की संरचना (Schematic) :

यह तीन अलग-अलग-डिजिटल, क्वांटम और एनालॉग-प्रसंस्करण परतों से बना है। ये तीन परतें मिलकर क्वांटम प्रोसेसिंग यूनिट या क्यूपीयू quantum processing unit (QPU) के रूप में जानी जाती हैं, जो क्वांटम कंप्यूटर के बराबर सीपीयू है। क्वांटम कंप्यूटर के अंदर "शेंडिलियर" को इसकी प्रोसेसिंग चिप को बाहरी अंतरिक्ष से कम तापमान पर ठंडा करने के लिए डिज़ाइन किया जाता है।

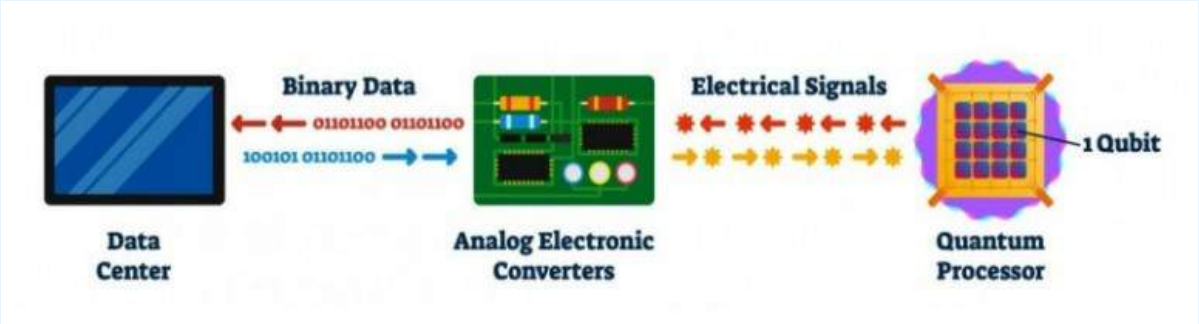

Schematic Diagram of Quantum Computer

D-Wave Company's Quantum Computer **क्वांटम कंप्यूटर शेंडिलियर**

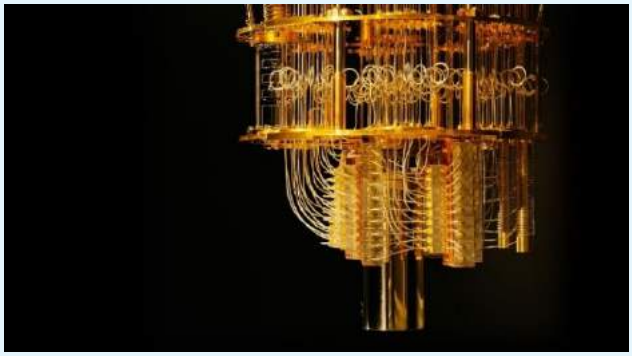

ऐसी कई बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ हैं जिन्होंने क्वांटम कंप्यूटर बनाए हैं और वर्तमान में इस पर काम कर रही हैं। कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं:

आईबीएम : आईबीएम कई दशकों से क्वांटम कंप्यूटिंग पर काम कर रहा है, दिसंबर 2023 में आईबीएम ने 1,000 से अधिक क्यूबिट वाले पहले क्वांटम कंप्यूटर बना लेने का दावा किया है है।

गूगल : ने जिसमें 72-क्विबिट ब्रिस्टलकोन क्वांटम कंप्यूटर का निर्माण किया है। कंपनी का दावा है कि उसका क्वांटम कंप्यूटर "क्वांटम सर्वोच्चता" तक पहुंच गया है,

अलीबाबा : अलीबाबा क्वांटम कंप्यूटिंग में भारी निवेश कर रहा है। कंपनी अपने स्वयं के क्वांटम चिप्स भी विकसित कर रही है और निकट भविष्य में क्लाउड-आधारित क्वांटम कंप्यूटिंग सेवा जारी करने की योजना बना रही है।

इंटेल : इंटेल अपनी स्वयं की क्वांटम कंप्यूटिंग तकनीक विकसित कर रहा है और क्वांटम प्रोसेसर और क्रायोजेनिक नियंत्रण चिप्स का निर्माण कर रहा है, जिनका उपयोग क्वांटम बिट्स को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।

चीन में निर्मित विश्व के दो सबसे बड़े क्वांटम कंप्यूटर जुचोंगज़ी और जिउझांग 2.0, दोनों पारम्परिक कंप्यूटरों पर "क्वांटम प्रधानता" प्रदर्शित कर सकते हैं। क्वांटम कंप्यूटिंग में, "क्वांटम प्रधानता" यह प्रदर्शित करता है कि एक प्रोग्राम योग्य क्वांटम कंप्यूटर एक ऐसी समस्या को हल कर सकता है जिसे कोई भी पारम्परिक कंप्यूटर किसी भी संभव समय में हल नहीं कर सकता।

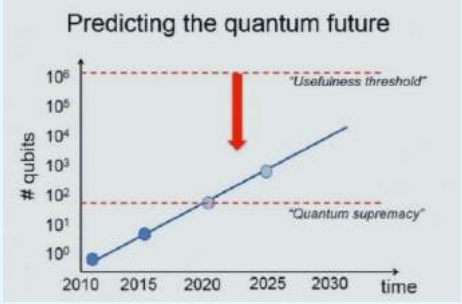

क्वांटम कुंजी वितरण (QKD) क्या है?

क्वांटम कुंजी वितरण (Quantum Key Distribution) दो पक्षों के बीच ज्ञात एन्क्रिप्शन कुंजी के आदान-प्रदान के लिए एक सुरक्षित संचार विधि है। QKD दो पक्षों को एक कुंजी बनाने और साझा करने में सक्षम बनाता है जिसका उपयोग संदेशों को एन्क्रिप्ट और डिक्रिप्ट करने के लिए किया जाता है। यह क्रिप्टोग्राफ़िक कुंजियों का आदान-प्रदान करने के लिए क्वांटम भौतिकी में पाए जाने वाले गुणों का उपयोग करके सुरक्षित संचार की गारंटी देता है । यह भविष्य में सुरक्षति क्वांटम इंटरनेट को संभव बनाएगा ।

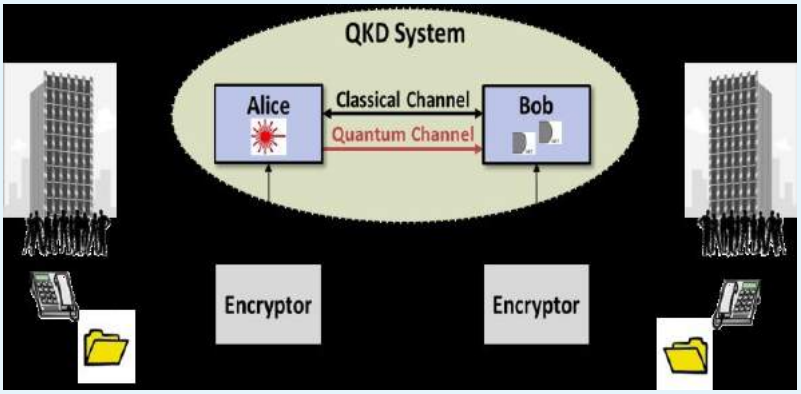

पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी (PQC) क्या है?

पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी (पीक्यूसी) एक क्रिप्टोग्राफ़िक एल्गोरिदम है जिसे क्वांटम खतरों के खिलाफ सैद्धांतिक रूप से सुरक्षित माना जाता है। QKD की तरह, PQC का मुख्य उपयोग क्रिप्टोग्राफ़िक कुंजियों का सुरक्षित आदान-प्रदान है। लेकिन जहां QKD क्वांटम भौतिकी के गुणों का उपयोग करता है, वहीं PQC एल्गोरिदम जटिल गणितीय पहेलियों पर निर्भर करता है जो क्वांटम कंप्यूटरों के लिए बहुत जटिल माने जा रहे हैं ।

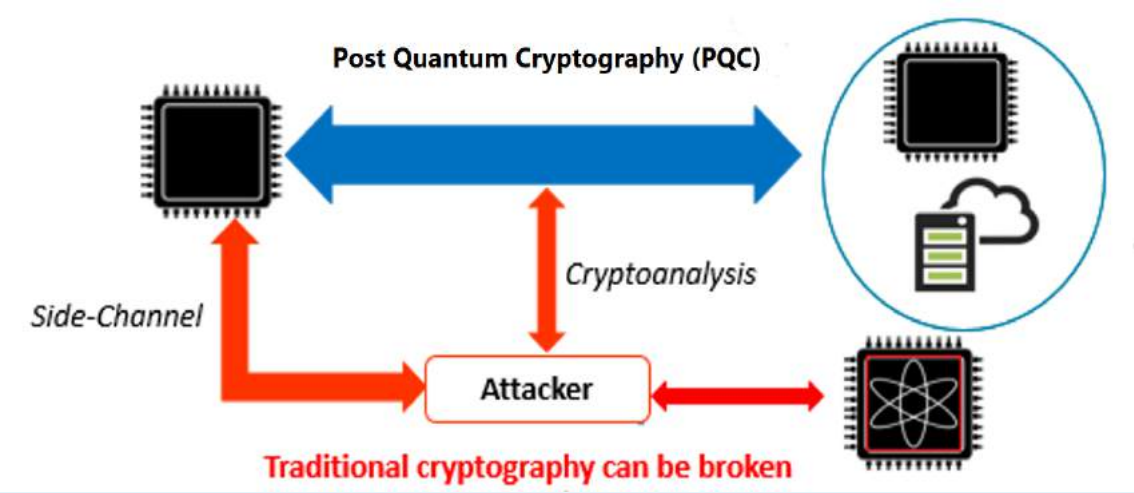

क्वांटम प्रौद्योगिकी का उपयोग:

प्रसंस्करण गति (processing speed) : क्वांटम कंप्यूटर पारम्परिक कंप्यूटरों की तुलना में कुछ गणनाएँ बहुत तेजी से कर सकते हैं, जिससे वे उन कार्यों के लिए उपयुक्त हो जाते हैं जिनमें बड़ी मात्रा में डेटा या जटिल गणितीय गणनाएँ शामिल होती हैं। एक 30-क्यूबिट क्वांटम कंप्यूटर एक पारंपरिक कंप्यूटर की प्रसंस्करण शक्ति के बराबर होगा जो 10 टेराफ्लॉप्स (प्रति सेकंड ट्रिलियन फ्लोटिंग-पॉइंट ऑपरेशन) पर चल सकता है। क्वांटम मशीनें आज और कल के सबसे सक्षम सुपर कंप्यूटरों को भी मात देने का वादा करती हैं।

समानांतर प्रसंस्करण (parallel processing) : क्वांटम कंप्यूटिंग सूचना के समानांतर प्रसंस्करण की अनुमति देती है, जिसका अर्थ है कि कई संगणनाएं एक साथ की जा सकती हैं। इससे कुछ कार्यों में काफी तेजी आ सकती है, जैसे बड़े डेटाबेस में करता है कि वांछित सूचना की खोज करना।

क्रिप्टोग्राफी : क्वांटम कंप्यूटिंग में डेटा को सुरक्षित करने के लिए वर्तमान में उपयोग की जाने वाली कई एन्क्रिप्शन विधियों को तोड़ने की क्षमता है। हालाँकि, इसमें PQC आधारित नई और अधिक सुरक्षित एन्क्रिप्शन विधियाँ विकसित करने की भी क्षमता है, जो हैकर्स के हमलों के प्रति लगभग अभेद्य होंगी।

सुरक्षित संचार:

स्थलीय स्टेशनों और उपग्रहों के बीच सुरक्षित क्वांटम संचार लिंक का निर्माण किया जा सकता है ।

यह अन्य क्षेत्रों के साथ उपग्रहों, सैन्य और साइबर सुरक्षा के लिये महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह अपने उपयोगकर्त्ताओं को अकल्पनीय रूप से तीव्र कंप्यूटिंग और QKD आधारित सुरक्षित एवं हैक रहित उपग्रह संचार की सुविधा प्रदान करता है।

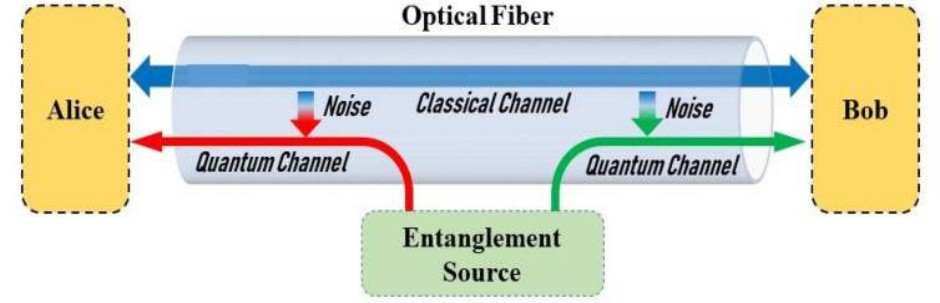

अनुसंधान :

यह गुरुत्वाकर्षण, ब्लैक होल आदि से संबंधित भौतिकी के कुछ मूलभूत प्रश्नों को हल करने में सहायक होगा ।

इसी तरह, क्वांटम पहल जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट (Genome India Project-GIP) को एक बढ़त प्रदान कर सकती है, जो जीवन विज्ञान, कृषि और चिकित्सा में नई क्षमता को सक्षम करने के लिये 20 संस्थानों का एक साझा प्रयास है।

आपदा प्रबंधन :

क्वांटम तकनीकी से भूकंप सुनामी, सूखा और बाढ़ का अधिक सटीकता से पूर्वानुमान लगाए जाने की संभावनाएँ हैं।

क्वांटम तकनीक के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के संबंध में डेटा के संग्रह को बेहतर तरीके से सुव्यवस्थित किया जा सकेगा ।

रसायन विज्ञान एवं औषधि निर्माण : : क्वांटम कंप्यूटिंग अणुओं के व्यवहार का विस्तार के स्तर पर अनुकरण कर सकती है जो पारम्परिक कंप्यूटिंग के साथ संभव नहीं है। इससे दवा डिजाइन, सामग्री विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में नई खोजें हो सकती हैं। क्वांटम कंप्यूटिंग नए औषिधयों की खोज और संबंधित प्रक्रियाओं में लगने वाली समय-सीमा, अभी जो लगभग दस वर्ष है, को घटाकर कुछ दिनों तक कर सकता है।

औद्योगिक क्रांति 4.0 को संवर्द्धित करना:

क्वांटम कंप्यूटिंग औद्योगिक क्रांति 4.0 का एक अभिन्न अंग है।

यह सफलता औद्योगिक क्रांति 4.0 से संबंधित अन्य तकनीकों जैसे-इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स (IoT), मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लाभ उठाने के लिये शुरु की गई अन्य रणनीतिक पहलों में मददगार होगी। जो भविष्य में ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था (Knowledge economy) की नींव रखने में सहायक होगा।

क्वांटम कंप्यूटिंग से संबद्ध चुनौतियाँ:

नैनोस्केल निर्माण : इस यंत्र में इस्तेमाल मे लाए गए कॉम्पोनेन्ट को नैनोस्केल के आकार में बनाना एक बड़ी चुनौती है।

परम शून्य तापमान : क्वांटम कंप्यूटरों को अपने क्वबिट की क्वांटम अवस्थाओं को बनाए रखने के लिए परम शून्य (लगभग -273 डिग्री सेल्सियस या -459 डिग्री फ़ारेनहाइट) के करीब तापमान के साथ अत्यधिक नियंत्रित वातावरण की आवश्यकता होती है।

शोर और विसंगति : क्वांटम कंप्यूटर के निर्माण में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक शोर (environmental noise) और विसंगति **(quantum decoherence)** की समस्या है।

त्रुटि सुधार : क्वांटम कंप्यूटिंग में त्रुटि सुधार **(error correction)** एक और बड़ी चुनौती है। पारम्परिक कंप्यूटिंग में, त्रुटि-सुधार कोड का उपयोग करके त्रुटियों को ठीक किया जा सकता है, लेकिन क्वांटम कंप्यूटिंग में, क्वांटम सिस्टम की प्रकृति के कारण त्रुटियों का पता लगाना और उन्हें ठीक करना अधिक कठिन होता है।

मजबूत क्वांटम एल्गोरिदम का आभाव : भले ही कुछ क्वांटम एल्गोरिदम विकसित किए गए हैं, लेकिन उनकी संख्या अभी भी सीमित है।

उच्च लागत : विशेष उपकरणों और उच्च प्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकता के कारण क्वांटम कंप्यूटर का निर्माण और रखरखाव बेहद महंगा है। क्वांटम कंप्यूटर बनाने की लागत काफी अधिक होने के कारण केवल बड़े व्यवसायिक संस्थान अथवा विकसित देशों की सरकारें ही इसके निर्माण का प्रयास कर सकती है।

बिजली की खपत : क्वैबिट की क्वांटम स्थिति को बनाए रखने की आवश्यकता के कारण, क्वांटम कंप्यूटर बिजली की अत्यधिक खपत करते हैं। इससे क्वांटम कंप्यूटिंग को बड़े सिस्टम तक बढ़ाना मुश्किल हो जाता है।

विघटनकारी प्रभाव : क्वांटम कंप्यूटिंग का नकारात्मक विघटनकारी प्रभाव **क्रिप्टोग्राफिक एन्क्रिप्शन** पर देखा जा सकता है जिसका उपयोग संचार और कंप्यूटर सुरक्षा में किया जाता है। यह सरकारों के समक्ष भी चुनौती उत्पन्न कर सकता है क्योंकि अगर यह तकनीक गलत हाथों में चली गई, तो सरकारों के सभी आधिकारिक और गोपनीय डेटा के हैक होने एवं उनका दुरुपयोग होने का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

क्वांटम कंप्यूटिंग का भविष्य :

सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लंबे विकास क्रम के बाद, अब उन्हें विनियमित करने की मांग की जा रही है। व्यापक रूप से उपलब्ध होने से पहले क्वांटम कंप्यूटिंग हेतु एक नियामक ढाँचा विकसित करने की आवश्यक्ता होगी।

परमाणु तकनीक की तरह समस्या के हाथ से निकलने से पहले ही इसे राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विनियमित करना या इसके वैध उपयोग की सीमाओं को परिभाषित करना भी बेहतर होगा।

भारत में क्वांटम प्रौद्योगिकी:

भारत सरकार ने 2023-24 से 2030-31 तक 6003.65 करोड़ रुपये की कुल लागत पर राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) को मंजूरी दी, जिसका लक्ष्य वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना और क्वांटम प्रौद्योगिकी (क्यूटी) में एक जीवंत और नवीन पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।

नए मिशन का लक्ष्य सुपरकंडक्टिंग और फोटोनिक तकनीक जैसे विभिन्न प्लेटफार्मों में 8 वर्षों में 50-1000 भौतिक क्यूबिट के साथ मध्यवर्ती पैमाने के क्वांटम कंप्यूटर विकसित करना है।

भारत के भीतर 2000 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राउंड स्टेशनों के बीच उपग्रह आधारित सुरक्षित क्वांटम संचार, अन्य देशों के साथ लंबी दूरी की सुरक्षित क्वांटम संचार स्थापित स्थापित करने का प्रस्ताव है।

क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम संचार, क्वांटम सेंसिंग और मेट्रोलॉजी और क्वांटम सामग्री और उपकरण डोमेन पर शीर्ष शैक्षणिक और राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास संस्थानों में चार थीमैटिक हब (टी-हब) स्थापित किए जाएंगे। ये केंद्र बुनियादी और व्यावहारिक अनुसंधान के माध्यम से नए ज्ञान के सृजन पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

क्वांटम प्रौद्योगिकी में दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र की भूमिका:

दूरसंचार विभाग के दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र (टीईसी) ने क्वांटम प्रौद्योगिकी पर मानकों के विकास और वैश्विक मानकीकरण गतिविधियों में योगदान के लिए एक केंद्रित और समन्वित दृष्टिकोण रखने के लिए "क्वांटम प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय कार्य समूह (एनडब्ल्यूजी-क्यूटी)" का गठन किया है। एनडब्ल्यूजी-क्यूटी का उद्देश्य शिक्षा जगत, उद्योग/स्टार्टअप, अनुसंधान एवं विकास संगठनों, सेवा प्रदाताओं, सरकार से क्वांटम प्रौद्योगिकी पर सभी हितधारकों को एक साथ लाना है।

क्वांटम-सक्षम युग में उभरती प्रौद्योगिकियों में टीईसी की बढ़ी हुई भूमिका को पूरा करने के लिए जुलाई 2023 में क्वांटम टेक्नोलॉजी डिवीजन एक अलग वर्टिकल बनाया गया, जिसके मुख्य कार्यों में क्वांटम संचार के लिए राष्ट्रीय मानक तैयार करना, क्वांटम संचार प्रौद्योगिकियों का परीक्षण और प्रमाणन और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के बीच जागरूकता पैदा करना और सहयोग को बढ़ावा देना सम्मिलित है ।

टीईसी के क्वांटम टेक्नोलॉजी डिवीजन ने क्वांटम टेक्नोलॉजीज में काम करने वाले शोधकर्ताओं और उद्योगों को एक साथ लाने, शिक्षाविदों, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों और उद्योगों के बीच एक समुदाय के निर्माण को बढ़ावा देने और सभी हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए "**अंतर्राष्ट्रीय क्वांटम संचार कॉन्क्लेव**" की संकल्पना की। क्वांटम संचार के क्षेत्र में किये जा रहे कार्य/अनुसंधान कार्यों पर चर्चा के करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्वांटम संचार कॉन्क्लेव के दो संस्करण - पहला अंतर्राष्ट्रीय क्वांटम संचार कॉन्क्लेव, मार्च, 2023, नई दिल्ली में तथा दूसरा अंतर्राष्ट्रीय क्वांटम संचार कॉन्क्लेव, फरवरी 2024, नई दिल्ली में टीईसी द्वारा सी-डॉट और टीएसडीएसआई के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं।

अभिनव सिंह
सहायक अनुभाग अधिकारी

देवनागरी लिपि

देवनागरी लिपि में अनेक भारतीय भाषाएँ तथा कुछ विदेशी भाषाएँ लिखी जाती हैं। संस्कृत, पालि, हिंदी, मराठी, कोंकणी, नेपाली, गढ़वाली, बोडो, अंगिका, मगही, भोजपुरी, मैथिली, संथाली आदि भाषाएँ देवनागरी में लिखी जाती हैं । इसके अतिरिक्त कुछ स्थितियों में गुजराती, पंजाबी, बिष्णुपुरिया मणिपुरी, रोमानी और उर्दू भाषाएँ भी देवनागरी में लिखी जाती हैं ।

इसमें कुल 52 अक्षर हैं, जिसमें 14 स्वर और 38 व्यंजन हैं। अक्षरों की क्रम व्यवस्था (विन्यास) भी बहुत ही वैज्ञानिक है । स्वर-व्यंजन, कोमल-कठोर, अल्पप्राण-महाप्राण, अनुनासिक्य-अन्तस्थ- ऊष्म इत्यादि वर्गीकरण भी वैज्ञानिक हैं । एक मत के अनुसार देवनगर में प्रचलन के कारण इसका नाम देवनागरी पड़ा।

छुट्टियों में घर जाता हूँ

जब भी छुट्टियों में घर जाता हूँ
थोड़ा घर बदल जाता है थोडा मैं बदल जाता हूँ

पिता मुझे कुछ और बूढ़े नजर आते है
उन्हें मैं थोड़ा बड़ा नज़र आता हूँ
माँ कुछ और भोली नज़र आती है
मैं खुद को और समझदार पाता हूँ

शिकायतें अब मुझे कम सुनने को मिलती है
क्योंकि अब मैं उनका मौन समझ जाता हूँ
झुरियां चेहरे पर उनके बढ़ती है
कंधे मैं अपने झुके पाता हूँ

हर बार हाथों में पैसे रखकर कहते थे
खर्च की चिंता मत कर
अब यही बात घर छोड़ते वक़्त में दोहराता हूँ
माँ बाप थोड़े थोड़े औलाद हो जाते है
और मैं खुद को थोड़ा थोड़ा माँ बाप पाता हूँ

जब भी छुट्टियों में घर जाता हूँ
थोड़ा घर बदल जाता है थोडा मैं बदल जाता हूँ

अमर दीप
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी

मेरा गाँव शहर नहीं होना चाहिए

मेरा गाँव शहर नहीं होना चाहिए
ये हवा जहर नहीं होनी चाहिए
बेवक्त हमें नहीं सोना चाहिए
कोयल की कूँक, मिट्टी की खुशबू
हरियाली को संजोना चाहिए
गाँव, शहर नहीं होना चाहिए।

मेरा गाँव शहर नहीं होना चाहिए
पैदल चलकर लम्बे रास्ते
पहिए का न खिलौना चाहिए,
खुली जगह ये खेत प्रिय हैं
मुझे छोटा-सा नहीं कोना चाहिए
गाँव, शहर नहीं होना चाहिए।

मेरा गाँव शहर नहीं होना चाहिए
किसी आया की गोद नहीं,
बच्चे को माँ की गोद में रोना चाहिए
मुझे याद है मेरे बचपन के दिन
मुझे वही याद सलोना चाहिए
गाँव, शहर नहीं होना चाहिए।

प्रवीण कुमार
एम.टी.एस.

अनुच्छेद 351 हिंदी भाषा के विकास के लिए निदेश-

संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिंदी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे जिससे वह भारत की सामाजिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रकृति में हस्तक्षेप किए बिना हिंदुस्तानी में और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात करते हुए और जहां आवश्यक या वांछनीय हो वहां उसके शब्द-भंडार के लिए मुख्यतः संस्कृत से और गौणतः अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे।

पर्यावरण बचायें

चलो पर्यावरण बचायें
एक पेड़ हम भी लगायें
सीमेन्ट से बनी सड़क को
फिर से हरा-भरा बनायें।

कोई वृक्ष काटे, हाथ जोडें
न माने तो उनको समझाएं
जहां भी मिले जगह खाली
छोटा-सा ही जंगल उगायें।

नहीं मिलेगी ये शुद्ध वायु
थोड़ी ममता थोड़ा सा प्यार
थोड़ा पानी थोड़ा सा ध्यान
देकर वायु की आयु बढायें।

धरती न मिले गमला ही सही
हां, पेड़ नहीं पौधा ही सही
छोटे-छोटे पौधे चुनकर
अपना घर-आंगन सजायें।

ये वृक्ष हमारे संगी-साथी
लेना नहीं बस देना जानें
इनकी शीतल सुखद बयार
तपते तन-मन को सहलाये।

प्रदूषण से खुद को बचायें
चलो हम भी पेड़ लगायें
दूषित है सारा वातावरण
कहो कैसे बचायें पर्यावरण?

राजेश कुमार मीना
निजी सचिव

खुशी की तलाश

हर पल अब खामोश है
गुम हुआ वो बचपन का जोश है ।
जिंदगी के नीले गगन पर छाया अंधकार है
ना जाने किस खुशी की इस दिल को तलाश है।

चेहरों पर सब एक मुखौटा लगाए हुए हैं
झूठी हंसी में सबको बहकाए हुए हैं
दिल-ओ-दिमाग का ये क्या रिश्ता है
तकलीफ में यह दिल ही क्यों पिसता है?

ये अश्क ही धड़कते दिल के सच्चे साथी हैं
दिल के बुरे वक्त में दौड़े चले आते हैं
सबको यहाँ कुछ पाने की ख्वाहिश है
अपनों को भूलने का सिलसिला चला है
किसी के पास आकर चले जाने का
दस्तूर ये आजकल की कला है ।

पुस्तकें

ज्ञान का भण्डार हैं पुस्तकें
विचित्र एक संसार हैं पुस्तकें।

लघु दीर्घ अनुभवों का भण्डार हैं पुस्तकें
सिद्धान्त और व्यवहार का सागर हैं पुस्तकें।

जीवन को सफल बनाती हैं पुस्तकें
बुद्धि के घोड़े दौड़ाती हैं पुस्तकें।

मनोरंजन हमारा करती हैं पुस्तकें
धनोपार्जन के लिए समर्थ बनाती हैं पुस्तकें।

परीक्षा के समय छात्रों का ब्रह्मास्त्र होती हैं पुस्तकें
निश्चित सुन्दर भविष्य बनाती हैं पुस्तकें।

एक विचित्र संसार हैं पुस्तकें
सम्पूर्ण संसार के रहस्यों का सार हैं पुस्तकें।

आकाश
कार्यालय सहायक

हरी भरी धरती

प्रकृति का सुन्दर नज़ारा,
किताबों में ही नजर आएगा।
यदि मानव प्राकृतिक सम्पदा,
बेख़ौफ़ ही गवांएगा।।

पर्वत,पहाड़,सूरज व हरी घास,
कागज के पन्नों पर बनाएगा।
रँग-बिरँगी तितलियों को,
ब्रश से ही तो सजाएगा।।

रोज होते दोहन से जब,
सूरज को भयंकर क्रोध आएगा।
तब धरती के पुत्रों को बता,
कौन आकर के बचाएगा।।

वायु मण्डल का दाब,
बढ़ता ही चला जाएगा।
जगह-जगह कचरे के फैलानें से,
रोग भी बढ़ जाएगा।।

बेदम होगा जन-जीवन,
चारो ओर हाहाकार मचेगी।
साँस लेनें में जब तकलीफ़ होगी,
तब कहो तुम कैसे सृष्टि बचेगी।।

किसी को कोई परवाह नहीं,
मानो,जीवन की चाह नहीं।
आज सभी क्षणिक सुख भोगी हैं,
शरीर से अस्वस्थ मन के रोगी हैं।।

वायु मण्डल की परवाह करें,
प्राकृतिक सम्पदा का बचाव करें।
स्वस्थ रहें मस्त रहें ,
हरी-भरी धरती का संयोजन करें।।

प्रवेन्द्र बघेल
एम.टी.एस.

माफ करना सही

गोपाल कृष्ण गोखले से जुड़ी एक घटना है । उस समय भारत को अंग्रेजों से आजादी नहीं मिली थी । वे काउंसिल ऑफ वायसराय के मेंबर थे । एक दिन गोखलेजी को ट्रेन से कहीं जाना था, फर्स्ट क्लास के डिब्बे में बैठे थे । तभी एक अंग्रेज अधिकारी भी उसी डिब्बे में आकर बैठा ।

अंग्रेज ने देखा कि एक भारतीय फर्स्ट क्लास में बैठा है । उसे गुस्सा आ गया, वह सोचने लगा कि भारत के लोग इस डिब्बे में कैसे चढ़ सकते हैं ? उसने गोखलेजी का सामान उठाया और डिब्बे से नीचे फेंक दिया ।

उस समय गोखलेजी के साथ उनका एक सहयोगी भी था । उसने अंग्रेज से कहा, 'क्या आप जानते हैं, आपने किसका सामान फेंका है ? ये वायसराय काउंसिल के मेंबर हैं ।'

ये सुनकर अंग्रेज को अपनी गलती समझ आ गई । उसने तुरंत ही गोखलेजी का सामान उठाकर डिब्बे में उसी जगह रख दिया और अपनी गलती की माफी मांगने लगा ।

गोखलेजी बहुत विनम्र और विद्वान थे । उन्होंने अंग्रेज को माफ कर दिया । लेकिन, उनका सहयोगी अभी अंग्रेज से गुस्सा था । उसने एक पत्र लॉर्ड कर्जन को लिखा और उस अंग्रेज अधिकारी की शिकायत की और मांग की कि इस अधिकारी को सजा दी जाए ।

गोखलेजी ने वह पत्र देखकर कहा, 'तुम ये ठीक नहीं कर रहे हो । गुस्से को लंबा खींचकर तुम अपनी ऊर्जा और समय, दोनों नष्ट कर रहे हो । इस ऊर्जा का सही उपयोग कहां करना चाहिए ? ये हमें सोचना चाहिए । सामने वाले ने माफी मांगी, आपने माफ कर दिया, बात यहीं खत्म हो गई । उस व्यक्ति को क्षमा करके हमने अपना समय और ऊर्जा बचा ली है । अब ये पत्र लिखकर क्यों ऊर्जा खत्म कर रहे हो ? अगर ऊर्जा लगाना ही है तो हमें काले-गोरे का भेद खत्म करने में लगाना चाहिए।'

सीख - क्षमा करके समय और ऊर्जा को बचाया जा सकता है ।

सुशांत सिंह
एम.टी.एस. (अनुबंधित)

मोबाइल

मोबाइल ज्ञान पाकर
लगने लगा है बच्चों को
वे बड़े हो गए हैं
और बात-बात पर बड़ों को
झिड़कने लगे हैं

ना जाने कौन सा
गुरूर आ गया है
ना जाने कैसी
समझ आ गई है
रातभर मोबाइल पर
लगे रहते है

यह कौन सी सभ्यता
यह कैसा समाज
इर्द-गिर्द घूमने लगा है

रातों को जागना
दिन में सोना
आज के बच्चों की
आदत बन गई है

मां-बाप उनकी नजर में
छोटे बन गए हैं
उनकी इच्छाओं की
पूर्ति करने का साधनमात्र
रह गए हैं

किस ओर जा रही है युवा पीढ़ी
जो देश का भविष्य है
उसके भविष्य को लेकर चिंतित हूं
जो हमारे कंधों का सहारा है
उनके कंधों को लेकर चिंतित हूं

नूपुर शर्मा
निजी सहायक

परोपकार

स्वार्थ में डूबी दुनियां
भूली दीन धर्म परोपकार
निज स्वार्थ में अंधी
करती मतलब से व्यवहार

नेक नियति पीछे छूटी
नहीं रहा हृदय में प्यार
प्रभु के नाम पर भी
रखने लगे स्वार्थी सरोकार

सनातन संस्कृति मिटा कर
न करें मानवता पर प्रहार
नेक नियति दान दया करुणा
सब श्रेष्ठ व्यक्तित्व के सार

निज स्वार्थ का त्याग कर करें
वसुधैव कुटुंबकम् का प्रचार
प्रेम स्नेह की अलख जगाएं
मन में निस्वार्थ सेवा भावना धार

दीन दुखियों की सेवा करें
रखें परहित में परोपकार
नदी पेड़ प्रकृति सम हम
रखें बेमतलब का व्यवहार

ज़रूरतमंद की सेवा करना
है परमार्थ का मूल आधार
दीन धर्म सदभाव से बनते
पीढ़ी में मानवता के सुसंस्कार ।।

जितेंद्र कुमार मीना
निजी सचिव

सदा मुस्कराते रहो

पुराने समय में एक राजा को युद्ध करने का बहुत शौक था । जब वह युद्ध में जाता था तो उसके साथ खाने-पीने का इतना सामान होता था कि उन्हें ले जाने के लिए 300 से ज्यादा हाथियों की जरूरत पड़ती थी ।

एक बार राजा युद्ध में गया तो सामने वाला शत्रु उस पर भारी पड़ गया । शत्रु ने राजा को हरा दिया और उसे नजरबंद कर दिया । राजा के सभी हाथियों को दूसरे राजा ने जब्त कर लिया।

राजा अब कैदियों की तरह रह रहा था । एक दिन राजा का पुराना रसोइया किसी तरह उससे मिलने पहुंचा । रसोइये को देखकर राजा बोला, 'मुझे बहुत भूख लगी है, क्या तुम मेरे लिए खाना बना दोगे ?'

रसोइया किसी तरह राजा के लिए रोटी और थोड़ी सी सब्जी का प्रबंध करके आ गया और ये खाना एक छोटे से बर्तन में लेकर राजा के पास पहुंचा । रसोइये ने खाना राजा के सामने रख दिया । राजा बर्तन उठाता, उससे पहले एक कुत्ता वहां पहुंच गया और उसने बर्तन में मुंह डाल दिया ।

बर्तन का मुंह छोटा था । इस वजह से कुत्ते का मुंह बर्तन में फंस गया और डर की वजह से कुत्ता वहां से बर्तन लेकर भाग गया। ये देखकर राजा को हंसी आ गई ।

रसोइया ये सब बड़े ध्यान से देख रहा था । राजा को हंसते देखकर उसने पूछा, 'आप इस तरह हंस क्यों रहे हैं? बड़ी मुश्किल से मैं आपके लिए खाना लाया था, आपको बहुत दिनों के बाद थोड़ा अच्छा खाना मिला था और वह एक कुत्ता लेकर भाग गया, आप हंस रहे हैं ।'

राजा ने कहा, 'मैं ये सोचकर हंस रहा हूं, कभी मेरा खाना ले जाने के लिए 300 से ज्यादा हाथियों की जरूरत होती थी और आज एक कुत्ता मेरा खाना लेकर भाग गया है।'

सीख - हमें मुश्किल समय में भी हंसते रहना चाहिए ।

राजकुमारी
निजी सचिव

यादों की बारिश

ये,
प्रबल, प्रखर यादें भी ,
बेरहम, बेमौसम बारिश
की तरह हैं।

जब आती है न,
भीगा कर ही मानती हैं,
दर्द -ए-दिल को, कहां ये
जानती हैं

यादों की मूसलाधार बारिश
आज तो रुकने का
नाम ही, नहीं ले रही
अभिमान है या कुछ और, कि
झुकने का नाम ही,
नहीं ले रही

भीतर तूफान सा मचा है
दिल का झकझोर सा,
कर रखा है

यादों की इस सुनामी ने तो
दिल में शोर सा कर रखा है
यादों की इन बौछारों से
कह दो,
कहीं और जाकर बरस जाएं

थोड़ा और बरसी तो
हम भावनाओं में
बह ही जाएगें
फिर, मन की बात कहां,
कह ही पाएगें

ऐ यादों की बारिश!
बिताएं उन लम्हों को,
वहीं मोड़ दो
अब तुम हमें तन्हा ही
छोड़ दो।

यूं बरस कर,
कितना याद दिलाओगी
बीते हुए वो पल,
हरपल बताओगी
तुम्हारा कोई भरोसा भी नहीं
इस तरह तुम हमें,
और भी सताओगी

ऐ यादों की बारिश!
अब तो ये अश्क भी हमारे
बूंदें बन, बह से गए हैं
वेदना भरी आंखों को,
अलविदा, कह से गए हैं ।।

राजेश कुमार मीना
निजी सचिव

पुष्प के बदले शरण

एक बार की बात है, जब गौतम बुद्ध जी मगध राज्य के एक गांव में ठहरे हुए थे। गांव से थोड़ा बाहर एक मोची अपने परिवार के साथ रहता था । उस मोची के घर के पास एक तालाब था । एक दिन रोज की तरह सुबह मोची तालाब किनारे पानी लेने गया । वहां उसने तालाब में एक बहुत ही अद्‌भुत पुष्प देखा । वह पुष्प देखने में बहुत ही सुंदर था और चमत्कारिक भी प्रतीत हो रहा था ।

मोची ने तुरंत ही अपनी पत्नी को बुलाया और वह पुष्प उसे दिखाया । मोची की पत्नी आध्यात्मिक और धर्म में आस्था रखने वाली थी । वह पुष्प को देखते ही समझ गयी कि जरूर कल यहां से गौतम बुद्ध जी गुजरे होंगे, उन्हीं के प्रताप से यह पुष्प खिला है ।

पुष्प को चमत्कारिक मान कर मोची ने एक योजना बनाई । उसने अपनी योजना के बारे में पत्नी को बताया कि वह इस पुष्प को राजा को देगा और उनसे खूब सारी स्वर्ण मुद्राएं लेगा । उसकी पत्नी ने भी सोचा कि यह पुष्प उनके किसी काम का नहीं है । इसे राजा को ही दे दो, कम से कम कुछ कमाई तो होगी ।

पत्नी की सहमति के बाद, मोची राजमहल की ओर निकल गया । राजमहल के रास्ते में उसे एक व्यापारी मिलता है, मोची के हाथ में पुष्प देख कर वह रुक जाता है । वह मोची से पूछता है कि भाई ये पुष्प ले कर कहाँ जा रहे हो ?

मोची कहता है कि मैं यह पुष्प ले कर राजा के पास जा रहा हूं । इसे राजा को भेंट कर के मैं राजा से मुंह मांगा इनाम लूंगा ।

व्यापारी ने मोची को प्रस्ताव दिया कि तुम ये पुष्प मुझे दे दो बदले में, मैं तुम्हे 100 स्वर्ण मुद्राएं दूंगा । मोची सोच में पड़ गया । उसने सोचा कि जब व्यापारी इस पुष्प के लिए 100 स्वर्ण मुद्राएं दे रहा है, तो राजा तो और ज्यादा देगा । यही सोचते हुए उसने व्यापारी को पुष्प देने से मना कर दिया ।

वह थोड़ा आगे चला ही था कि उसे रास्ते में राजा आते हुये नजर आए जो गौतम बुद्द के दर्शन के लिए जा रहे थे । राजा भी मौची के हाथ में वो दिव्य पुष्प देखकर अचम्बित हो गए । राजा ने मौची को पुष्प के बदले 1000 स्वर्ण मुद्राएँ देने के लिए कहा । यह सुनते ही मोची के मन में एक अजीब सी चेतना आई और वह राजा को पुष्प न देकर दोड़ता हुआ सीधे महात्मा बुद्ध के पास जा पहुंचा ।

महात्मा बुद्ध जी मोची को देख कर हैरत में पड़ गये । उन्होंने मोची से पूछा तो मोची ने उन्हें सारी बात बताई । इसके बाद मोची ने वह पुष्प महात्मा गौतम बुद्ध के चरणों में अर्पित किया और उनसे कहा कि पहले तो मेरे मन में पुष्प को देखकर लालच आ गया था । लेकिन अब मैं समझ गया हूं कि जिसकी छाया पड़ने से ही एक पुष्प इतना दिव्य हो गया हो अगर उसकी शरण में, मैं चला जाऊं तो मेरा जीवन भी धन्य हो जायेगा। इसके बाद वह आजीवन महात्मा गौतम बुद्ध का शिष्य बन कर रहा ।

सीख : इस कहानी ने हमें सिखाया कि हमारी जिंदगी में हमें बहुत सी चीजें अपनी तरफ आकर्षित करती हैं, लेकिन हमें उनके लालच में न फंसकर अपने ज्ञान का प्रयोग करके जीवन में सही राह को चुनना चाहिए।

ओम प्रकाश यादव
एम.टी.एस.

आठवीं अनुसूची

भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 प्रादेशिक भाषाओं का उल्लेख है । इस अनुसूची में आरम्भ में असमिया, बांग्ला, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, तमिल, तेलुगु और उर्दू यानि कुल 14 भाषाएँ थीं । बाद में, सिंधी को तत्पश्चात् कोंकणी, मणिपुरी और नेपाली को शामिल किया गया, जिससे इसकी संख्या 18 हो गई । तदुपरान्त बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली को शामिल किया गया और इस प्रकार इस अनुसूची में 22 भाषाएँ हो गई ।

जीवन परमात्मा का प्रसाद

जीवन परमात्मा का प्रसाद होता है । इसे ये भी कह सकते हैं कि जीवन पूर्ण परमात्मा की आंशिक अभिव्यक्ति है । इसलिए हम मानते हैं कि हमारे अंतर्मन में परमात्मा निवास करता है । परमात्मा प्राणरूप में हमारे सूक्ष्म और स्थूल शरीर का संचालन करता है । इसलिए जीवात्मा को परमात्मा भी कहते हैं । हमारी आत्मा का कोई स्वरूप नहीं होता, यह अतिसूक्ष्म है, शक्तिरूप है । लेकिन जब कभी बाहर का प्रभाव अंतर्मन पर पड़ने लगता है, तो आत्मा की दिव्यता कम होने लगती है । इसीलिए हमारे साधक साधना करते हैं ताकि बाहर की विकृति अंतर्मन को दूषित न कर सके । सच कहा जाए, तो हमारा जीवन एक महोत्सव है । यह आनंदस्वरूप है, केवल ध्यान रखने की आवश्यकता है कि हमारे आनंद के सागर में विकारों की लहरें न उठें। इसलिए पतंजलि संयम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान, धारणा और समाधि के अभ्यास की बात कहते हैं । ऐसा इसलिए, क्योंकि अगर जीवन को रसपूर्ण बनाना है, तो साधना की अग्नि में उसे तपाना पड़ेगा तभी जीवन को दिव्य बनाया जा सकता है । सामान्यत: लोग अपने ही विकारों से जीवन की दिव्यता को धूमिल बना लेते हैं क्योंकि सारे विकार स्वअर्जित होते हैं । अगर थोड़ी सी सतर्कता बरती जाए, तो हमारा जीवन आनंदपूर्ण बन सकता है ।

भरत

एम.टी.एस. (अनुबंधित)

सभी भारतीय भाषाओं के लिए यदि कोई एक लिपि आवश्यक है तो वो देवनागरी ही हो सकती है ।

✦ जस्टिस कृष्णस्वामी अय्यर

आओं पेड़ लगाएं

देखो पेड़ कितने निराले-अलबेले हैं,
कुछ छोटे, कुछ विशाल सजीले हैं,
देते हैं हमें अनुपम उपहार,
जीवन से अपने सिखाते परोपकार ।

मीठे फल और सुगंधित फूल,
प्राणवायु से रखते वातावरण अनुकूल,
औषधियों की इनमें भरमार,
इनसे सीखो जीने का व्यवहार ।

झुरमुठ पर इनके चिड़ियों के रैन बसेरे,
छाया में इनके सुकून पाते जीव-जंतु बहुतेरे,
बदरी को रिझा कर वृष्टि करवाते,
मजबूत जड़ों से मृदा-क्षरण रोक पाते ।

धरती माँ कर रही पुकार,
अब और ना मेरा परिवेश उजाड़,
बनो मेरे संरक्षण में भागीदार,
सुख-समृद्धि को करो अंगीकार ।

इससे पहले कि सब कुछ बिगड़ जाए,
चलो मिलजुलकर कुछ पेड़ लगाएं,
एक तुम लगाओ और एक हम लगाएं,
पेड़ों से इस धरा को उपवन सा बनायें ।

अनसार
एम.टी.एस. (अनुबंधित)

- कंठस्थ 2.0 का परिचय
- कंठस्थ 2.0 में प्रयोग किए जाने वाले मुख्य शब्द
- कंठस्थ 2.0 के संस्करण
- कंठस्थ 2.0 की प्रमुख विशेषताएँ
- कंठस्थ 2.0 की कार्यप्रणाली

कंठस्थ 2.0 का परिचय

'कंठस्थ 2.0', ट्रांसलेशन मेमोरी तथा न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन पर आधारित मशीन साधित अनुवाद प्रणाली है । इस अनुवाद सिस्टम से अनुवाद की प्रक्रिया में सहायता मिलती है । स्मृति आधारित इस अनुवाद सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें यूजर द्वारा किए गए अनुवाद कार्य को संगृहीत किया जाता है जिसे किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुन: प्रयोग किया जा सकता है । यदि अनुवाद की नई फाइल का वाक्य टी.एम. के डाटाबेस से पूर्णत: अथवा आंशिक रूप से मिलता है तो यह सिस्टम उस वाक्य के अनुवाद को टी. एम. से खोज कर लाता है । यदि वाक्य का अनुवाद डेटाबेस में नहीं हो तो यह न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन की सहायता से उस वाक्य का अनुवाद उपलब्ध करवाता है ।

कंठस्थ 2.0 में प्रयोग किए जाने वाले मुख्य शब्द

ट्रांसलेशन मेमोरी (TM) :- ट्रांसलेशन मेमोरी वस्तुत: एक डेटा बेस है जिसमें स्रोत भाषा के वाक्यों एवं लक्षित भाषा में उन वाक्यों के अनूदित रूप को एक साथ रखा जाता है। यह दो प्रकार की होती है :

1) लोकल टी एम – यूजर के लॉगिन पर जो टी एम बनती है उसे लोकल टी एम कहते हैं । यह प्रोजेक्ट तथा फोल्डर के आधार पर संग्रहित होती है तथा प्रत्येक यूजर की अपनी अपनी टी.एम. होती है । अनुवाद के लिए सिस्टम का निरंतर प्रयोग करते रहने से टी.एम. का डेटा बेस बढ़ता रहता है ।

2) ग्लोबल टी एम – यह टी.एम. कंठस्थ 2.0 के सैंट्रल सर्वर (राजभाषा विभाग द्वारा एनआईसी की सहायता से हैदराबाद में स्थापित) पर संग्रहित होती है तथा vetter द्वारा इसको सर्वर पर अपलोड किया जाता है । इसी टी एम को ग्लोबल डेटा बेस भी कहते है तथा ग्लोबल टी.एम. प्रत्येक यूजर के लिए अप्रत्यक्ष रूप से उपलब्ध रहती है ।

- **पूर्णत: मिलान–** जिन वाक्यों का अनुवाद करते समय सिस्टम पूर्णत: मिलान दिखाता है उन वाक्यों का स्कोर 100 आता है । इसका अर्थ यह है कि इस वाक्य का अनुवाद 100% सही है।
- **आंशिक मिलान** – जिन वाक्यों का 100 % मिलान नहीं होता है परंतु 1% से 99% तक के मध्य का मिलान उपलब्ध होता है तो उसे Fuzzy Match या आंशिक मिलान कहते है । इस मिलान के प्रतिशत को यूजर कम या ज्यादा भी कर सकते हैं अथवा इसे हटा भी सकते है।

न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन (NMT) - जब किसी वाक्य का अनुवाद ग्लोबल या लोकल टी एम से प्राप्त नहीं होता है तो यह न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन की सहायता से उस वाक्य का अनुवाद उपलब्ध करवाता है ।

- **स्रोत भाषा**- जिस भाषा में फाइल अनुवाद के लिए अपलोड की जाती है उसे स्रोत भाषा या Source Language कहते हैं । कंठस्थ 2.0 पर हिन्दी तथा अँग्रेजी भाषा की फाइलें अनुवाद के लिए अपलोड की जा सकती हैं ।
- **लक्षित भाषा** – जिस भाषा में फाइल का अनुवाद किया जाता है उस भाषा को लक्षित भाषा या Target Language कहते हैं ।
- **मेन्यू बार** – कंठस्थ 2.0 के लॉगिन के बाद होम पेज पर ऊपर मध्य से दाहिनी ओर तक 08 बटनों का एक समूह है जिसे मेन्यू बार कहते हैं । इसमें Ins Trans, notification, Show TM, Analysis, Report, Dictionary, feedback तथा Logout के बटन उपलब्ध हैं ।
- **टूल बार** – यह हर पेज पर अलग अलग बटनों के साथ उपलब्ध है । जैसे होमपेज पर 02 टूल बटन, प्रोजेक्ट पेज पर 03 टूल बटन तथा फोल्डर पेज पर 11 टूल बटन के साथ उपलब्ध है ।
- **एडिटर पेज** – जिस पेज पर फाइल का अनुवाद कार्य किया जाता है उस पेज को एडिटर पेज कहते हैं यह किसी भी फाइल को डबल क्लिक करने पर खुल जाता है तथा इस पेज पर कुल 21 टूल बटन दिये गए हैं ।

कंठस्थ के संस्करण

राजभाषा विभाग द्वारा तकनीकी की सहायता से अनुवाद के क्षेत्र मे तेजी लाने के लिए अगस्त 2018 में मॉरीशस में आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन के अवसर पर स्मृति आधारित अनुवाद टूल "कंठस्थ" का लोकार्पण माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री द्वारा किया गया ।

वर्तमान आवश्यकताओं को देखते हुए राजभाषा विभाग द्वारा इसका उन्नत संस्करण कंठस्थ 2.0 विकसित कर दिया हैं जिसका URL https://kanthasth-rajbhasha.gov.in/ पर उपलब्ध है।

कंठस्थ 2.0 के महत्वपूर्ण बिन्दु

1) सभी डेटा राजभाषा विभाग द्वारा NIC के सर्वर पर Encrypted रूप में संगृहीत ।
2) 20 MB तक की फाइल को अपलोड करने की सुविधा ।
3) फाइल को विभाजित करने की सुविधा ।
4) फाइल को शेयर करने की सुविधा (कंठस्थ सर्वर के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा)
5) यूजर द्वारा स्वयं की टीएम को बनाना अपनी टीएम को शेयर तथा डाउनलोड करने की सुविधा।
6) कार्य को Save करने की सुविधा ।
7) यूजर द्वारा अनुवाद के समय सर्वप्रथम अपनी TM से मिलान उपलब्ध करने की सुविधा ।
8) Doc, docx तथा excel की फाइलों को फॉर्मेट रिबिल्ड की सुविधा ।
9) ग्लोबल डेटा मे डेटा भेजने की सुविधा (केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों /विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा राष्ट्रीयकृत बैंकों के चयनित अधिकारियों को)
10) वाक्यांश खोजना ।
11) फाइल का विश्लेषण जिसमें पूर्ण एवं आंशिक रूप से मिले हुए वाक्यों की संख्या, कुल वाक्यों की संख्या, कुल शब्दों की संख्या तथा अनूदित फाइल का प्रतिशत आदि बताना ।
12) द्विभाषिक फाइल को डाउनलोड करना ।
13) एक समय-विशेष में बनाए गए प्रोजेक्ट तथा अनुवाद की गई फाइलों की रिपोर्ट प्राप्त करने की सुविधा।
14) प्रोजेक्ट, फोल्डर तथा फाइल बनाने/अन्य कंप्यूटर से प्राप्त करने/अन्य कंप्यूटर पर भेजने की सुविधा।
15) विभिन्न फॉर्मेट जैसे txt., .doc, .dot, .docx, .xls, .xlsx, .pdf(readable),.rtf आदि को अनुवाद के लिए अपलोड करने की सुविधा ।
16) केवल यूनिकोड समर्पित फॉन्ट की सामग्री अपलोड करने की सुविधा।
17) निशुल्क उपलब्ध।

कंठस्थ 2.0 की प्रमुख विशेषताएं

- स्मार्ट चैटबॉट (Smart Chatbot) की सुविधा।
- त्वरित अनुवाद (Instant translation) की सुविधा।
- प्राप्त सूचनाएं (Notification)- अंतिम 10 उपलब्ध करवाता है।
- विभिन्न फ़ाइल-एक्सटेंशन/ फॉर्मेट (36 प्रकार) का समर्थन करता है ।
- न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन का विकल्प ।
- ओटोमैटिक स्पीच रिकॉग्निशन ।
- गुणवत्ता जाँच ।

कंठस्थ 2.0 की कार्यप्रणाली

- कंठस्थ 2.0 पर कार्य करने के लिए सर्वप्रथम हमे कंठस्थ 2.0 पर पंजीकरण कर अपना यूजर आईडी तथा पासवर्ड बनाना होता है ।
- इसके बाद लॉगिन किया जाता है ।
- लॉगिन के बाद होम पेज पर दो बार (एक मेन्यू बार तथा दूसरा टूल बार) दिखाई देते हैं ।
- टूलबार की सहायता से प्रोजेक्ट बनाना होता है ।
- प्रोजेक्ट बनाने के बाद फोल्डर बनाया जाता है तथा फोल्डर बनाते समय ही उसमें फाइल को अनुवाद के लिए अपलोड कर दिया जाता है ।
- फाइल पर डबल क्लिक कर एडिटर पेज पर अनुवाद कार्य किया जाता है ।

7. कार्यालयीन हिंदी के वाक्य साँचे

Sl.No.	English	हिंदी
1.	A chronological summary of the the case is placed below.	इस मामले का तारीखवार सारांश नीचे दिया है।
2.	A revised draft memorandum is put as desired by.	की इच्छानुसार ज्ञापन का संशोधित प्रारूप प्रस्तुत है।
3.	A short history of the case under consideration is given.	विचाराधीन मामले का संक्षिप्त वृत्त दिया गया है।
4.	Accepted for payment.	भुगतान के लिए स्वीकृत।
5.	Action has already been taken in the matter	इस मामले में कार्रवाई की जा चुकी है।
6.	Action has not yet been initiated.	कार्रवाई अभी शुरू नहीं की गई है।
7.	Action may be taken as proposed.	यथाप्रस्तावित कार्रवाई की जाए।
8.	Administrative approval may be obtained.	प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त किया जाए।
9.	Application may be rejected	आवेदन अस्वीकार कर दिया जाए।
10.	As in force for the time being.	जैसा कि फिलहाल लागू है।
11.	As per details below.	नीचे लिखे ब्यौरों के अनुसार
12.	Call for an explanation.	स्पष्टीकरण माँगा जाए।
13.	Call upon to show cause.	कारण बताने को कहा जाए।
14.	Carried forward.	अग्रनीत
15.	Charge handed over.	कार्यभार सौंप दिया।
16.	Competent authority's sanction is necessary.	सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी आवश्यक है
17.	Consolidated report may be furnished.	समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।
18.	Day to day administrative work	दैनंदिन प्रशासनिक कार्य
19.	Deduction at source.	स्रोत पर कटौती

Sl.No.	English	हिंदी
20.	Delay in returning the file is regretted.	फाइल को लौटाने में हुई देरी के लिए खेद है।
21.	Delay in the submission of the case is regretted.	मामले को प्रस्तुत करने में हुई देर के लिए खेद है।
22.	Discrepancy may be reconciled.	विसंगति का समाधान कर लिया जाए।
23.	Do the needful.	आवश्यक कार्रवाई करें।
24.	Draft has been amended accordingly.	प्रारूप तदनुसार संशोधित कर दिया गया है।
25.	Draft may now be issued.	प्रारूप अब जारी कर दिया जाए।
26.	Draft reply is put up for approval.	उत्तर का प्रारूप अनुमोदन के लिए प्रस्तुत है।
27.	Draft reply on the lines suggested above may be put up	ऊपर के सुझावों के आधार पर उत्तर का मसौदा प्रस्तुत किया जाए।
28.	Explanation may be called for.	स्पष्टीकरण माँगा जाए।
29.	Extracts from the notes will be kept on our file on return.	वापसी पर टिप्पणियों के उद्धरण अपनी मिसिल में रख लिए जाएंगे।
30.	Follow up action.	अनुवर्ती कार्रवाई
31.	For sympathetic consideration.	सहानुभूतिपूर्ण विचार के लिए
32.	I have been directed to inform you/request you/ask you.	मुझे निदेश हुआ है कि मैं आपको सूचित करूँ/आपसे निवेदन करूँ/ आपसे पूछूँ।
33.	I have the honour to say	सादर निवेदन है।
34.	Issue as amended.	यथा संशोधित भेज दें।
35.	Issue reminder urgently	तुरंत अनुस्मारक भेजें।
36.	Issue today.	आज ही भेजें।
37.	Kindly acknowledge.	कृपया पावती भेजें।
38.	May be informed accordingly.	तदनुसार सूचित कर दिया जाए।

Sl.No.	English	हिंदी
39.	Necessary notification as per draft placed below for approval.	नीचे रखे मसौदे के अनुसार आवश्यक अधिसूचना अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।
40.	Needful has been done.	जरूरी कार्रवाई कर दी गई है।
41.	No assurance in the matter can be given at this stage.	इस मामले में इस समय कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता।
42.	No decision has so for been taken in the mater.	इस मामले पर अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ है।
43.	No further action is required.	आगे कोई कार्रवाई अपेक्षित नहीं है।
44.	Office may note it carefully.	कार्यालय इसे सावधानी से नोट कर ले।
45.	Please circulate and file.	कृपया सभी को दिखाकर फाइल कर दें।
46.	Please put up a self-contained note (summary).	स्वतः पूर्ण टिप्पणी (सारांश) प्रस्तुत करें।
47.	Please see the preceeding notes.	कृपया पिछली टिप्पणियाँ देख लें।
48.	Please speak.	कृपया बात करें।
49.	Retrospective effect cannot be given on this order.	इस आदेश को पीछे की तारीख से लागू नहीं किया जा सकता।
50.	Seen and returned with thanks.	देखकर सधन्यवाद वापस किया जाता है
51.	The bill is returned herewith with the following objection.	बिल निम्नलिखित आपत्तियों के साथ वापस किया जाता है।
52.	The case is re-submitted.	फिर से प्रस्तुत किया जाता है।
53.	The proposal is self explanatory. It may be accepted.	प्रस्ताव अपने आप में स्पष्ट है। इसे मान लिया जाए।
54.	The proposal is self explanatory.	प्रस्ताव अपने आप में स्पष्ट है।
55.	The receipt of the letter has been acknowledged.	पत्र की पावती भेज दी गई है।
56.	The required papers are placed below.	अपेक्षित कागज–पत्र नीचे रखे हैं।

Sl.No	English	हिंदी
57.	This may be kept pending till a decision is taken on the main file.	मुख्य मिसिल पर निर्णय होने तक इसे रोके रखें।
58.	This may please be treated as urgent.	कृपया इसे अविलंबनीय समझें।
59.	We agree as a very special case. This should not, however, be quoted as a precedent.	इसे बहुत विशेष मामला मानकर हम सहमति देते हैं। परंतु इसका आगे उदाहरण के रूप में उल्लेख न किया जाए
60.	We have no remarks to offer.	हमें कोई टिप्पणी नहीं करनी है।
61.	Failing which your appointment in our bank shall stand cancelled without futher reference to you.	ऐसा न करने पर बिना कोई सूचना दिए हमारे बैंक में आपकी नियुक्ति रद्द समझी जाएगी।
62.	The relative certificate produced by him/her is returned herewith for onward transmission to the staff member.	उनके द्वारा प्रस्तुत संबंधित (अथवा एतद्विषयक) प्रमाण पत्र इसके साथ लौटाया जा रहा है। कृपया इसे उन्हें दे दें।
63.	He should report to the branch as soon as he receives this memorandum.	वे इस ज्ञापन के प्राप्त होते ही तुरंत शाखा में ड्यूटी पर आ जाएँ।
64.	His unchanged behavior in this regard may compel the bank to initiate disciplinary action.	इस संबंध में यदि वे अपना रवैया नहीं बदलेंगे तो बैंक को उनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई करनी पड़ेगी।
65.	Please let us know the exact date on which the loan is disbursed and confirm that all our formalities have been observed.	कृपया हमें ऋण–वितरण की वास्तविक तारीख बताएं और इस बात की पुष्टि करें कि अन्य सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली गई हैं।
66.	We hope that you will not force us to take untoward steps against you.	आशा है, आप हमें कोई अप्रिय कदम उठाने के लिए बाध्य नहीं करेंगे।

Sl.No.	English	हिंदी
67.	On receipt of the above documents, we will proceed further.	उक्त दस्तावेज़ प्राप्त होने पर हम आगे कार्रवाई करेंगे।
68.	Your instruction to that effect may please be conveyed to us on or before the due date together with the T.D.R. duly discharged by you on its reverse under the words reading.	इस आशय के अपने अनुदेश आप हमें कृपया नियत तारीख तक बता दें तथा साथ ही उपर्युक्त सावधि जमा रसीद के पृष्ठ भाग पर, यथास्थिति, निम्नलिखित शब्द लिखकर उस पर विधिवत हस्ताक्षर करके उसे हमारे पास भेज दें।
69.	Received payment of balance interest due.	ब्याज की शेष राशि प्राप्त की।
70.	In case of change of status, from Non-Resident to Resident, interest will be recalculated as per RBI' directive.	खाते का स्वरूप अनिवासी से निवासी के रूप में बदलने की स्थिति में ब्याज की गणना भा.रि.बैं. के निदेश के अनुसार फिर से की जाएगी।
71.	It is a matter of regret that statements of above nature which are already overdue have not been submitted by your branch till date.	खेद की बात है कि उपर्युक्त प्रकार के विवरण, जो हमें बहुत पहले मिल जाने चाहिए थे, आपकी शाखा ने हमें अभी तक प्रस्तुत नहीं किए हैं।
72.	While sending to us the relative policy the premium amount to be remitted by us may kindly be advised.	संबंधित पॉलिसी भेजते समय कृपया हमें यह भी बताएं कि हमें प्रीमियम की कितनी राशि भेजनी है?
73.	However, all the staff at the branch have been instructed to ensure that excellent customer service is extended at all times giving no room for complaints.	फिर भी, शाखा के सभी स्टाफ सदस्यों को अनुदेश दे दिया गया है कि वे सदैव उत्तम ग्राहक सेवा प्रदान करें और शिकायत का मौका न दें।

दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र, नई दिल्ली में हिंदी पखवाड़े का आयोजन

दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र, नई दिल्ली में 14 से 29 सितंबर, 2023 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। हिंदी पखवाड़े के उदघाटन समारोह का आयोजन 14 सितंबर, 2023 को डॉ. अब्दुल कलाम सभागार में किया गया। उदघाटन समारोह में परंपरागत सरस्वती पूजा व दीप प्रज्वलित कर श्रीमती तृप्ति सक्सैना, वरिष्ठ उप महानिदेशक, टी.ई.सी. द्वारा हिंदी पखवाड़ा-2023 का विधिवत उदघाटन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती सक्सैना जी ने माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार श्री अमित शाह जी, द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में जारी संदेश से सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को अवगत कराया और हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी तथा हिंदी दिवस की महता पर प्रकाश डाला। अध्यक्षा महोदया द्वारा पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा इस पखवाड़े के दौरान ही नहीं अपितु पूरे वर्ष हिंदी में ही कार्य करने हेतु सभी से आग्रह किया गया।

मंचासीन श्री पीयूष चेतिया, उप महानिदेशक (एफ़.एन.) ने हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर सभी को हिंदी दिवस की बधाई दी तथा हिंदी के महत्व और उसकी बढ़ती लोकप्रियता के संदर्भ में अपने विचार रखे। श्री चेतिया जी ने हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं के बारे में विस्तार से बताया तथा सभी से प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

कार्यालय में हिंदी को बढ़ावा देने तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हिंदी के प्रति रूचि सृजित करने के उद्देश्य से हिंदी पखवाड़ा के दौरान कुल 9 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का विवरण इस प्रकार है :

- हिंदी निबंध लेखन (राजपत्रित अधिकारियों के लिए)।
- हिंदी निबंध लेखन (राजपत्रित कर्मचारियों के लिए)।
- हिंदी टिप्पण व मसौदा लेखन।
- हिंदी व्याकरण ज्ञान।
- अनुवाद (हिंदी से अंग्रेज़ी तथा अंग्रेज़ी से हिंदी)।

- स्वरचित मौलिक कविता लेखन ।
- अंताक्षरी (केवल हिंदी साहित्य से संबंधित) ।
- प्रश्न मंच ।
- हिंदी में उत्कृष्ट कार्य प्रतियोगिता ।

  (हिंदी में कार्य को बढ़ावा देने हेतु - दिनांक 01 सितंबर, 2023 से 20 सितंबर, 2023 की अवधि में हिंदी में सबसे ज्यादा कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कृत किया)

इन प्रतियोगिताओं में कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया ।

हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह का आयोजन डॉ. अब्दुल कलाम सभागार में दिनांक 29 सितंबर, 2023 को किया गया । श्रीमती तृप्ति सक्सैना, वरिष्ठ उप महानिदेशक, टी.ई.सी. द्वारा सरस्वती पूजा व दीप प्रज्वलन कर हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह की विधिवत शुरुआत की गई ।

हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित, प्रश्न मंच प्रतियोगिता को छोड़कर, प्रत्येक प्रतियोगिता के विजेताओं को क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार तथा 03 सांत्वना पुरस्कार दिये गए। सभी पुरस्कार विजेताओं को वरिष्ठ उप महानिदेशक, टी.ई.सी. द्वारा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा पुरस्कार राशि उनके खाते में रोकड़ अनुभाग द्वारा ऑनलाइन जमा (बैंक) करवा दी गयी । पुरस्कार विजेताओं की सूची अगले पेज पर दी गई है ।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्रीमती सक्सैना जी ने प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी एवं हिंदी पखवाड़ा के आयोजन में योगदान देने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों का धन्यवाद किया । अंत में अध्यक्षा महोदया द्वारा उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों से आग्रह किया गया कि सभी अधिकारी/कर्मचारी हिंदी में काम करें और राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सार्थक प्रयास करें ।

क्र. सं.	प्रतियोगिता का नाम	विजेता का नाम	पदनाम	प्राप्त स्थान
1	निबंध (राजपत्रित अधिकारियों के लिए)	श्री अवधेश सिंह	निदेशक	प्रथम पुरस्कार
2		श्री मोहित कुमार अग्रवाल	स.म.नि.	द्वितीय पुरस्कार
3		श्री संजय भारद्वाज	स.नि.	तीसरा पुरस्कार
4		श्री राजमोहन मीना	स.म.नि.	सांत्वना पुरस्कार
5		श्री राकेश गोयल	स.म.अ.दू.	सांत्वना पुरस्कार
6		श्री अर्जुन सिंह	स.म.अ.दू.	सांत्वना पुरस्कार
7	निबंध (अराजपत्रित कर्मचारियों के लिए)	श्री प्रवीण कुमार	एम.टी.एस.	प्रथम पुरस्कार
8		श्री अभिनव सिंह	सहा. अनु. अधिकारी	द्वितीय पुरस्कार
9		श्री ओम प्रकाश यादव	एम.टी.एस.	तीसरा पुरस्कार
10		श्री राजेश कुमार मीना	निजी सहायक	सांत्वना पुरस्कार
11		श्री प्रवेन्द्र बघेल	एम.टी.एस.	सांत्वना पुरस्कार
12		सुश्री राजकुमारी	निजी सहायक	सांत्वना पुरस्कार
13	हिंदी टिप्पण व मसौदा लेखन	श्री अभिनव सिंह	सहा. अनु. अधि.	प्रथम पुरस्कार
14		श्री अवधेश सिंह	निदेशक	द्वितीय पुरस्कार
15		श्री राजमोहन मीना	स.म.नि.	तीसरा पुरस्कार
16		श्री रोहित गुप्ता	प्रवर श्रेणी लिपिक	तीसरा पुरस्कार
17		श्री हर्ष शर्मा	निदेशक	सांत्वना पुरस्कार
18		श्री संजय भारद्वाज	स.नि.	सांत्वना पुरस्कार
19		श्री योगेश गोयल	स.म.अ.दू.	सांत्वना पुरस्कार
20	हिंदी व्याकरण ज्ञान	श्री मोहित कुमार अग्रवाल	स.म.नि.	प्रथम पुरस्कार
21		श्री हर्ष शर्मा	निदेशक	द्वितीय पुरस्कार
22		श्री रजनीश कुमार	स.म.अ.दू.	तीसरा पुरस्कार
23		श्री अभिनव सिंह	सहा. अनु. अधिकारी	तीसरा पुरस्कार
24		सुश्री मुदिता चंद्रा	स.म.अ.दू.	सांत्वना पुरस्कार
25		श्री रोहित गुप्ता	प्र.श्रे. लिपिक	सांत्वना पुरस्कार
26		श्री प्रवेन्द्र बघेल	एम.टी.एस.	सांत्वना पुरस्कार

क्र.सं.	प्रतियोगिता का नाम	विजेता का नाम	पदनाम	प्राप्त स्थान
27	अनुवाद	श्री मोहित कुमार अग्रवाल	स.म.नि.	प्रथम पुरस्कार
28		श्री अभिनव सिंह	सहा. अनुभाग अधिकारी	द्वितीय पुरस्कार
29		सुश्री मुदिता चंद्रा	स.म.अ.दू.	तीसरा पुरस्कार
30		श्री अवधेश सिंह	निदेशक	सांत्वना पुरस्कार
31		श्री योगेश गोयल	स.म.अ.दू.	सांत्वना पुरस्कार
32		श्री राजमोहन मीना	स.म.नि.	सांत्वना पुरस्कार
33	स्वरचित मौलिक कविता लेखन	श्री संजय भारद्वाज	स.नि.	प्रथम पुरस्कार
34		श्री योगेश गोयल	स.म.अ.दू.	द्वितीय पुरस्कार
35		श्री हर्ष शर्मा	निदेशक	तीसरा पुरस्कार
36		श्री राजेश कुमार मीना	निजी सहायक	सांत्वना पुरस्कार
37		श्री अभिनव सिंह	सहा. अनुभाग अधिकारी	सांत्वना पुरस्कार
38		श्री मोहित कुमार अग्रवाल	स.म.नि.	सांत्वना पुरस्कार
39	अंताक्षरी	श्री शिव चरण	अनुभाग अधिकारी	प्रथम पुरस्कार
40		श्री प्रवेन्द्र बघेल	एम.टी.एस.	द्वितीय पुरस्कार
41		श्री हर्ष शर्मा	निदेशक	तीसरा पुरस्कार
42		श्री चितरंजन कुमार	जे.एस.ए.	सांत्वना पुरस्कार
43		श्री संजय भारद्वाज	स.नि.	सांत्वना पुरस्कार
44		श्री राजेश कुमार मीना	निजी सहायक	सांत्वना पुरस्कार
45		श्री अभिनव सिंह	सहा. अनुभाग	सांत्वना पुरस्कार
46	हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिये	श्री रोहित गुप्ता	प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रथम पुरस्कार
47		श्री राजेश कुमार मीना	निजी सहायक	द्वितीय पुरस्कार
48		श्री जियाउर रहमान	स.म.अ.दू.	तीसरा पुरस्कार
49		श्री सुजीत कुमार	निदेशक	सांत्वना पुरस्कार
50		श्री अभिनव सिंह	सहायक अनुभाग अधिकारी	सांत्वना पुरस्कार
51		श्री संजय भारद्वाज	स.नि.	सांत्वना पुरस्कार

हिंदी पखवाड़ा 2023 पुरस्कार वितरण

बधाईयां

बधाईयां

बधाईयां

बधाईयां

बधाईयां

बधाईयां

हिंदी पखवाड़ा

14 सितंबर-29 सितंबर 2023

मेरी भाषा मेरा गौरव

हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताएं

एक झलक

हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताएं

एक झलक

एक झलक

हिंदी कार्यशालाएं

हिंदी पखवाड़ा 2023

समापन

आई.एस.ओ. 9001:2015

दूरसंचार विभाग

दूरसंचार अभियांत्रिकी केन्द्र

खुर्शीद लाल भवन, जनपथ, नई दिल्ली-110001

वेबसाईट : www.tec.gov.in

क्षेत्रीय कार्यालयः

पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता

प्रथम तल, दूरसंचार क्यूए बिल्डिंग, ईपी एण्ड जीपी ब्लॉक,
सॉल्ट लेक, सेक्टर 5, कोलकाता-700091

पश्चिमी क्षेत्र, मुम्बई

द्वितीय तल, डी विंग, बीएसएनएल प्रशासनिक भवन,
जुहू रोड, शान्ता क्रूज (वेस्ट) मुम्बई-400054

दक्षिणी क्षेत्र, बेंगलुरू

द्वितीय मंजिल, जया नगर टेलीफोन एक्सचेंज,
9 वां मेन, चौथा ब्लॉक, जयानगर, बेंगलुरू-560011

उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली

गेट नं. 5, खुर्शीद लाल भवन, जनपथ, नई दिल्ली-110001